B.A. (Part-III) EXAMINATION, 2021

(Three-Year Scheme)

(10+2+3)

(Faculty of Arts)

हिन्दी साहित्य

Paper-I

(आधुनिक हिन्दी कविता)

Maximum Marks : 60

Time Allowed : 1 ½ Hours

नोट : (1) सभी (लघुत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें। लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दीजिये। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर–पुस्तिका में अलग–अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें।

(2) किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर–पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर–पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

(3) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रश्न संख्या एक अनिवार्य है, जिसमें चार व्याख्याएं हैं, इनमें से कोई दो व्याख्याएं करनी हैं

(4) प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com

Printed Pages : 3

B.A. (Part-III) EXAMINATION, 2021

(Three-Year Scheme)

(10+2+3)

(Faculty of Arts)

हिन्दी साहित्य

Paper-I

(आधुनिक हिन्दी कविता)

Maximum Marks : 60

Time Allowed : 1 ½ Hours

https://www.pdusuonline.com

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किनहीं दो की सप्रंसग व्याख्या कीजिए। 20 अंक

(क) निरख सखी, ये खजंन आये,

फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये!

फैला उनके तन का आतप, मन ने सर सरसाये,

घूमें वे इस ओर वहां, ये इंस यहां उड़ छाये!

करके ध्यान आज इस जन का निश्चय ले मुसकाये,

फूल उठे हैं कमल, अधर–से ये बन्दूक सुहाये!

स्वागत, स्वागत, शरद, भाग्य से मैंने दर्शन पाये,

नव ने मोती वारे, लो, ये अश्रु अर्घ्य भर लाये!

(ख) यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी कांपा,

वह पीड़ा, जिसकी गहराई को स्वयं उसी ने नापा;

कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधुआते कडुवे तप में

यह सदा–द्रवित, चिर–जागरूक, अनुरक्त–नेत्र

https://www.pdusuonline.com

उल्लम्ब–बाहु, यह चिर–अखंड अपनाया।

जिज्ञासु, प्रबुद्ध, सदा श्रद्धामय, इसको भक्ति को दे दो।

यह दीप, अकेला, स्नेह भरा

है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

(ग) आह! वह मुख! पश्चिम के व्योग बीच जब घिरते हो घनश्याम,

अरुण रवि मण्डल उनको भेद दिखाई देता हो छविधाम।

या कि, नव इंद्रनील लघु श्रृंग फोड़कर धधक रही हो कांत

एक लघु ज्वालामुखी अचेत माधवी रजनी में अश्रान्त।

(घ) हमको पता नहीं था हमें अब पता चला,

इस मुल्क में हमारी हुकूमत नहीं रही।

कुछ दोस्तों से वैसे मरासिम नहीं रहे,

कुछ दुश्मनों से वैसे अदावत नहीं रही।

हिम्मत से सच कहो तो बुरा मानते हैं लोग,

रो–रो के बात कहने की आदत नहीं रही।

2. आधुनिक युग में राधा के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए 'प्रिय प्रवास' की राधा की विशेषताएं बतलाइये। 20

अथवा

पंत की काव्य–कला पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3. पठित कविताओं के आधार पर धूमिल की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

गजानन माधव 'मुक्तिबोध' की काव्यगत प्रवृत्तियों एवं विशेषंताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

https://www.pdusuonline.com
https://www.pdusuonline.com

4. सिद्ध कीजिए कि मैथिलीशरण गुप्त ने उपेक्षित नारी–पात्रों को अपने काव्य का उपजीव्य बनाया है। 20

अथवा

'दुष्यंत के काव्य में भारतीय समाज की असंगतियों पर तीखा व्यंग्य है' कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

5. छायावाद की विशेषताओं के आलोक में प्रसाद के काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 20

https://www.pdusuonline.com

https://www.pdusuonline.com

https://www.pdusuonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से